तापमान
अधिकतम 30.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

11 बोर्ड परीक्षा में सफलता पर विधायक ने छात्र-छात्राओं...

12 मतभेद भुलाकर समाज हित में हों एकजुट : संतोष उपाध्याय

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

गुड्डे-गुड़ियों के विवाह में बच्चों में दिखा उत्साह, गांव-गांव और मोहल्लों में मंडप सजाए गए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गरियाबंद

अक्ती तिहार के अवसर पर पूरे अंचल में पारंपरिक उत्साह और उमंग देखने को मिली। इस खास पर्व पर बच्चों ने गुड्डे-गुड़ियों का विवाह रचाकर अपनी संस्कृति और परंपरा को जीवंत कर दिया। गांव-गांव और मोहल्लों में छोटे-छोटे मंडप सजाए गए, जहां बच्चों ने पूरे रीति-रिवाज के साथ गुड्डे-गुड़ियों की शादी संपन्न कराई। सुबह से ही बच्चे शादी की तैयारियों में जुट गए थे। किसी ने दूल्हा-दुल्हन को सजाया, तो किसी ने बारात की व्यवस्था की। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर बारात निकाली गई, जिसमें बच्चे खुशी से झूमते नजर आए। विवाह के दौरान हल्दी, मंडप, फेरे और विदाई जैसे सभी रस्मों को निभाया गया, जिससे माहौल बिल्कुल असली शादी जैसा बन गया। महिलाओं और बुजुर्गों ने भी इस आयोजन में भाग लेकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कई जगहों पर पारंपरिक गीत गाए गए और प्रसाद वितरण किया गया। अक्ती तिहार को अक्षय तृतीया के रूप में भी जाना जाता है, जिसे शुभ कार्यों की शुरुआत के लिए विशेष माना जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के आयोजन से बच्चों को हमारी परंपराओं और संस्कारों की जानकारी मिलती है। गुड्डे-गुड़ियों का विवाह केवल खेल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक शिक्षा का एक माध्यम भी है। इस तरह अक्ती तिहार पर गुड्डे-गुड़ियों के विवाह ने पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्सव का माहौल बना दिया।

सिर्री खुर्द में रचाया गुड्डा-गुड़िया का विवाह

छुईहा बेलर। ग्राम सिर्रीखुर्द के बावाजी पारा में अक्षय तृतीया पर बाल संस्कृति की अनूठी मिसाल देखने को मिली। यहां के नन्हे-मुन्ने बच्चें चारु, दीक्षा, जिनी, तनु एवं निधि ने मिलकर पारंपरिक रीति-रिवाज से गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाया। बच्चों ने खुद मंडप सजाया, हल्दी-मेहंदी की रस्म निभाई और ढोल-ताशे के स्थान पर थाली-चम्मच बजाकर बारात निकाली। गांव की महिलाओं ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए मंगलगीत गाए और वर-वधू बने गुड्डा-गुड़िया को टीकावन उपहार आशीर्वाद दिया। विवाह उपरांत प्रसाद के रूप में खीर पुड़ी का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि अक्षय तृतीया पर गुड्डा-गुड़िया ब्याह की परंपरा ग्रामीण अंचल की बाल-सुलभ संस्कृति है, जो बच्चों में संस्कार, सामाजिकता और रिश्तों का महत्व जगाती है। मोबाइल युग में भी बच्चों द्वारा इस परंपरा को जीवित रखना सराहनीय है। इस नन्हे आयोजन ने पूरे पारा में उल्लास भर दिया और बड़े-बुजुर्गों को भी अपना बचपन याद आ गया।

खबर संक्षेप

राजिम में भगवान परशुराम की शोभायात्रा आज निकलेगी

राजिम। राजिम शहर में 20 अप्रैल को शाम 4 बजे भगवान परशुराम की शोभायात्रा बहुत ही धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। यह जानकारी देते हुए राजिम ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने बताया कि आज 20 अप्रेल सोमवार को भव्य शोभायात्रा नगर में निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शाम 4 बजे रानी श्यामकुमारी देवी धर्मशाला से प्रारंभ होकर गायत्री मंदिर, रेस्ट हाऊस मार्ग, पंडित श्यामाचरण शुक्ल चौक, पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक, मां महामाया मंदिर, श्री राजीव लोचन मंदिर होते हुए रानी श्यामकुमारी धर्मशाला में समापन होगी। अध्यक्ष श्री शर्मा ने शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने समाज के लोगो से आग्रह किया है। शोभायात्रा के समापन के बाद रानी धर्मशाला में भोजन प्रसादी होगा।

लो-वोल्टेज से ग्राम मोंगरा में जल संकट

छुरा। क्षेत्र में बिजली की बदहाली अब ग्रामीणों की प्यास का कारण बनने लगी है। क्षेत्र में लंबे समय से जारी लो-वोल्टेज की समस्या के कारण नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ गई है, जिससे ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा खराब स्थिति ग्राम मोंगरा की है। यहां लो-वोल्टेज के कारण पानी की टंकियां नहीं भर पा रही हैं, जिससे घरों में पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। मोंगरा की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि गाँव के आसपास कोई तालाब भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों के पास नहाने और निस्तारी के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। मोंगरा के ग्रामीणों की इस व्यथा को वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामचंद्र नायक ने प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने बताया कि गांव में बिजली की वोल्टेज इतनी कम है कि मोटर पंप चल ही नहीं पा रहे हैं। पीने के पानी के लिए जनता व्याकुल है और हाहाकार मचा हुआ है। बिना तालाब के इस गाँव में निस्तारी की समस्या ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। क्षेत्र में वोल्टेज सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

विडंबना : नदी नाले के आकार में सिमट गई और मैदान की तरह नजर आ रहा

सरगी नदी का अस्तित्व खतरे में रेत खनन से नाले में हो रही तब्दील

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोपरा

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर ब्लॉक अंतर्गत बहने वाली सरगी नदी इन दिनों रेत माफियाओं के कहर से जूझ रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की आड़ में, रेत माफियाओं द्वारा बिना किसी रॉयल्टी के बेधड़क अवैध उत्खनन किया जा रहा है। हालात ये हैं कि कभी लबालब पानी और रेत से भरी रहने वाली यह नदी अब अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। तरीघाट, सहसपुर, लोहरसी, रवेली, कुंडेल, सिर्रीखुर्द और खुटेरी जैसे गांव जो सरगी नदी के किनारे बसे हैं, वहां रेत माफिया रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में ही सक्रिय हो जाते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रैक्टर मालिकों द्वारा नदी से रेत का अवैध परिवहन कर अपनी जेबें भरी जा रही हैं, जबकि विभाग की सुस्ती और मौन ▸▸| शेष पेज 10 पर

कार्रवाई की जाएगी

इस मामले पर जब गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके से बात की गई, तो उन्होंने सख्त लहजे में कहा की रेत माफियाओं के खिलाफ जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभाग को इस संबंध में जल्द ही निर्देश भेजे जाएंगे।

प्रशासनिक लापरवाही और विभाग की चुप्पी

क्षेत्रवासियों का कहना है कि वे कई बार शिकायतें कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी निष्क्रियता का फायदा उठाकर रेत माफियाओं का हौसला बुलंद है और वे दिन-ब-दिन अपने अवैध कारोबार का दायरा बढ़ा रहे हैं। भारत में नदियों को पूजनीय माना गया है, लेकिन गरियाबंद में उन्हें माफियाओं के हवाले छोड़ दिया गया है।

मिक्सर मशीन लोड ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा चालक की बची जान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

मैनपुर गरियाबंद नेशनल हाईवे 130 सी मुख्य मार्ग उर्तुली जोबा मोड़ के पास रविवार को शाम 4:00 बजे मिक्सर मशीन से लोडिंग ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक मिक्सर मशीन से लोडिंग ट्रक आ रहा था। उर्तुली जोबा अंधा मोड़ के सामने स्थित अंधा मोड़ पर ट्रक अनियंत्रित हो गया और पलट गया। यह मोड़ दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है, जहां अक्सर वाहन पलटने की घटनाएं सामने आती हैं।चालक को मिली प्राथमिक चिकित्सारूदुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की और घायल चालक को गरियाबंद जिला अस्पताल केंद्र पहुंचाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ी हानि नहीं हुई। अक्सर होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस अंधे मोड़ पर उचित संकेतक लगाने और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जान-माल की बड़ी क्षति नहीं हुई, लेकिन यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा की अनदेखी और सतर्कता बरतने की जरूरत को उजागर करती है।

परशुराम जयंती पर ब्राह्मण समाज ने की महाआरती

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

मैनपुर स्थित मां दुर्गा मंदिर प्रांगण में ब्राह्मण समाज के लोगों ने भगवान परशुराम जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान परशुराम की पूजा–अर्चना कर महाआरती की दुर्गा मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा के द्वाराभगवान परशुराम का विधिवत पूजन अर्चन कराया गया कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक जनों ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदशोंर् पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सदैव धर्म की रक्षा और समाज में न्याय की स्थापना के लिए कार्य किया। उन्होंने युवाओं से भगवान परशुराम के आदशोंर् पर चलने और समाज के उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और समाज की एकता तथा आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संजय त्रिवेदी, पंडित योगेश शर्मा, दीपक तिवारी, नंदकिशोर चौबे, विनोद त्रिपाठी, राजेंद्र पांडे, राकेश दुबे, आदित्य त्रिवेदी, यीशु शर्मा, नीरज तिवारी, घनश्याम पांडे, धनंजय पांडे, प्रांशु त्रिवेदी, दीपक शर्मा, देवव्रत शर्मा सहित सामाजिक जन उपस्थित थे।

महिला आरक्षण में भाजपा फैला रही परसीमन का भ्रम : अमितेश

फिंगेश्वर। महिला आरक्षण को लेकर देशभर में चल रही बहस के बीच कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ल ने इस पूरे मुद्दे को "राजनीतिक भ्रम फैलाने की साजिश" बताते हुए कहा कि भाजपा जानबूझकर तथ्यों को तोड़–मरोड़कर पेश कर रही है। अमितेश शुक्ल ने स्पष्ट कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पारित हो चुका है और कांग्रेस ने उस समय भी इसका पूरा समर्थन किया था।हम कभी इसके खिलाफ नहीं थे,न हैं और न ही रहेंगे।"उन्होंने कहा कि भाजपा यह झूठ फैला रही है कि विपक्ष ने महिला आरक्षण का विरोध किया, जबकि सच्चाई यह है कि विपक्ष का विरोध केवल परिसीमन को लेकर था। अमितेश शुक्ल ने कहा की भाजपा ने महिला आरक्षण को लागू करने के बजाय उसे परिसीमन से जोड़ दिया,जबकि अगर सरकार चाहे तो वर्तमान लोकसभा की 543 सीटों पर ही 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू कर सकती है।"उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर ऐसा प्रावधान रखा ताकि आरक्षण को टाला जा सके और राजनीतिक लाभ लिया जा सके। अमितेश शुक्ल ने भाजपा की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा आगामी चुनाव में संभावित हार के डर से भाजपा अब परिसीमन के जरिए सीटों की संख्या और समीकरण बदलने की कोशिश कर रही है।

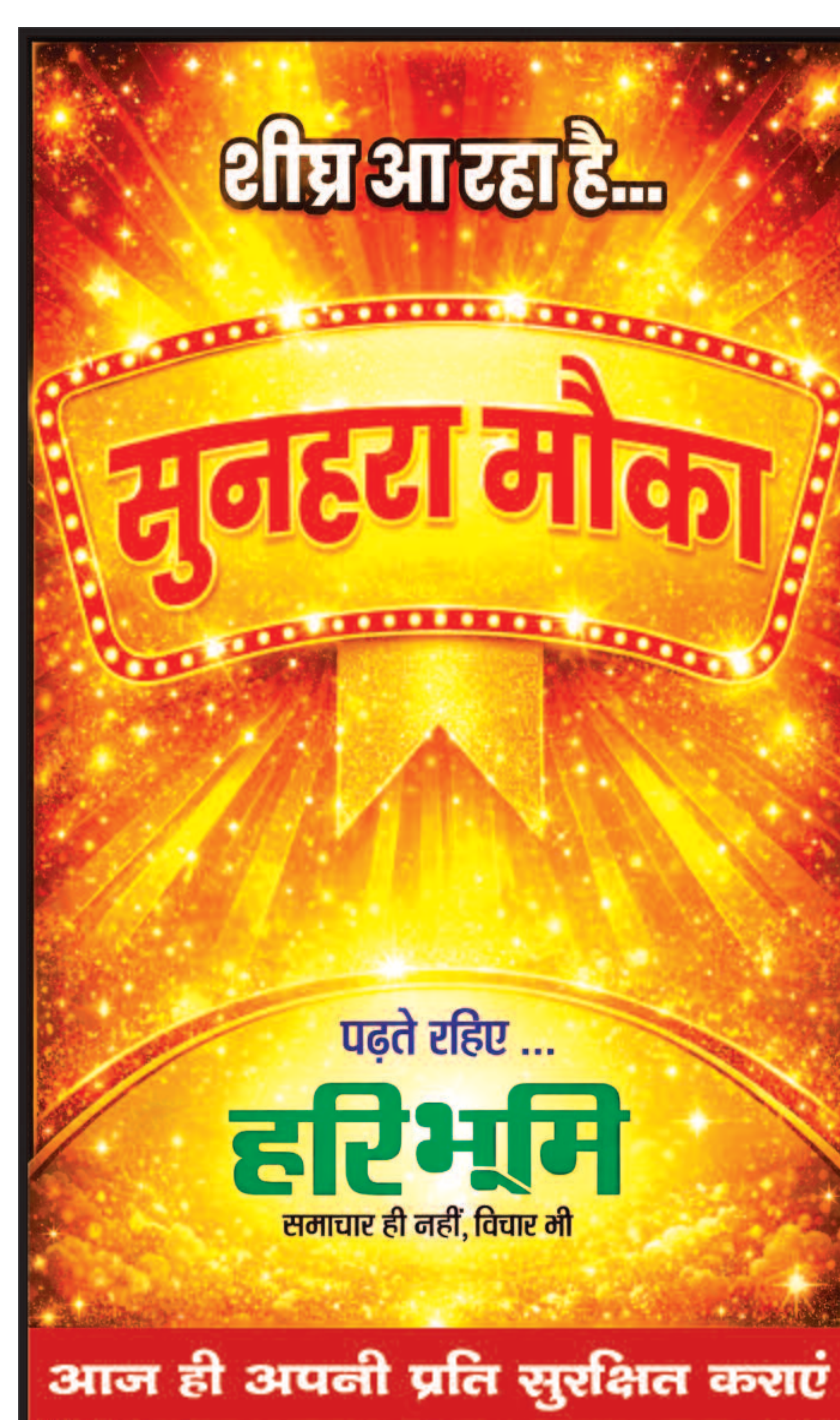

प्रभारी पुलिस अधीक्षक में युवाओं को दिया दिशा निर्देश

नशा से दूर रहे, सफलता कदम चूमेगी : नीरज चंद्राकर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| मैनपुर

जहां 15 दिनों में 3 युवाओं ने आत्महत्या कर ली उसी थाना क्षेत्र में गरियाबंद पुलिस अधीक्षक ने थाना कैम्पस में कैरियर मार्ग दर्शन का कार्यक्रम रख 100 से ज्यादा ग्रामीण यूवकों को बताया मुश्किल की घड़ी में मोबाइल नहीं परिवार को बनाए सहारा, सफलता का पैमाना संपत्ति नहीं संतुष्टि है नशा से दूर रहेंगे सफलता कदम चूमेगी। प्रभारी पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर ने देवभोग थाना कैम्पस में कैरियर मार्ग दर्शन शिविर का आयोजन किया जिसमें नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से 100 से ज्यादा युवा पहुंचे। श्री चंद्राकर ने मार्गदर्शन की शुरुआत एक ऐसे छात्र के किस्से से शुरू किया जिसने इंटर की पढ़ाई में अधिकतम 44 प्रतिशत अंक प्राप्त किया, समाज और परिवार के नजरिए वो असफल था पर अपनी अन्य सकारात्मक रुचियों के चलते छात्र पढ़ाई क्षेत्र में अपने आप को सफल मानता रहा। समय के साथ लक्ष्य निर्धारित किया, विषम परिस्थितियों का डट कर मुकाबला किया पिता के बताए आदर्शों का पालन किया और पहली प्रयास में यूपीएसी एक्जाम में सफल हो गया। कहानी के अंत में बताया कि वो छात्र स्वयं डीएसपी नीरज चंद्राकर थे। प्रभारी एसपी ने कहा कि सफलता का पैमाना संपत्ति नहीं बल्कि संतुष्टि से है।सफलता के मूल मंत्र को बताते हुए कहा कि सबसे पहले अपने सबसे प्रिय वस्तु का त्याग करना है जो आज के परिवेश में मोबाइल है। नशा पान से दूर ▸▸| शेष पेज 10 पर

सूखा नदी बचाओ अभियान के तहत की सफाई, जनता से सहयोग की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

नगर पंचायत छुरा क्षेत्र की जीवनदायिनी मानी जाने वाली सुखा नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से रविवार को "सुखा नदी बचाओ अभियान" की शुरुआत की गई। अभियान के तहत नदी में जमा गाद (मिट्टी) की व्यापक सफाई कार्य प्रारंभ हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य सुखा नदी की पुरानी धारा को पुनर्स्थापित करना एवं जल प्रवाह को सुचारु बनाना है। सुबह 6 बजे से शुरू हुए इस श्रमदान कार्यक्रम में युवाओं, किसानों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए ट्रैक्टर एवं अन्य उपकरणों की मदद से नदी से गाद निकालने का कार्य किया। इस अवसर पर नगर पंचायत छुरा के अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने कहा कि सुखा नदी हमारे क्षेत्र की जीवनरेखा है और इसे स्वच्छ एवं संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस जनहितकारी अभियान में सहयोग प्रदान करें। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस पहल से नदी का जलस्तर सुधरेगा, जिससे खेती-किसानी को भी लाभ मिलेगा और पर्यावरण संतुलन बना रहेगा। अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन और नागरिकों का सामूहिक प्रयास जारी है। इस अवसर परएसडीओ युवराज सिन्हा नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद, जिला महामंत्री थानसिंग, पार्षद चित्ररेखा ध्रुव, रजनी गिरवर लहरे, पंचराम टंडन, देवसिंह नेताम, बलराज पटेल,नारायण पटेल, भवानीशंकर सेन, निखिल साहू, कुश साहू, अजय चंद्राकर, संतोष ध्रुव, महेंद्र द्विवेदी, चित्रसेन देवांगन, तुलसी साहू, सुनीता चंद्राकर, हेमलता ध्रुवा, वेदिका वासनिक, भगवंतीन सिन्हा तथा ट्रैक्टर संघ अध्यक्ष मानसिंग निषाद रुक्मण निषाद, मितेश साहू, संघ के सचिव खूबचंद चंद्राकर, समारु साहू, पुरुषोत्तम सिन्हा, अजय सिन्हा एवं अन्य सभी ट्रैक्टर संचालकों का सहयोग रहा।

जन प्रतिनिधियों और नागरिकों ने किया श्रमदान

खबर संक्षेप

महिला आरक्षण पर भाजपा की कथनी और करनी में फर्क : भूपेंद्र

महासमुंद। आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण को लेकर तीखा हमला बोला है। प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र चंद्राकर ने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण कानून पारित कर 33 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का दावा तो किया। लेकिन, इसे लागू करने की प्रक्रिया को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर जानबूझकर टाल दिया गया है। जब अभी जनगणना ही नहीं हुआ है तो परिसीमन कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वर्तमान 543 लोकसभा सीटों में ही लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती थीं। जिसके लिए सारे विपक्षी पार्टी की सहमति है। लेकिन, मोदी सरकार की नीयत में ही खोट है। उनका आरोप है कि ऐसा करने से कई मौजूदा नेताओं की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होती, इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, जिससे सभी पक्षों को संतुष्ट रखा जा सके। उन्होंने पंचायत स्तर का उदाहरण देते हुए कहा कि कई जगहों पर महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिजन निर्णय लेते हैं, जिसे आम बोलचाल में सरपंच पति मॉडल कहा जाता है। उनके अनुसार, यही व्यवस्था बड़े स्तर पर भी लागू होने का खतरा है, जहां महिलाओं के नाम पर प्रतिनिधित्व होगा लेकिन वास्तविक नियंत्रण पुरुषों के हाथ में रहेगा।

नारी शक्ति अधिनियम का विरोध कांग्रेस की नकारात्मक मानसिकता: शिवसेना

महासमुंद। शिवसेना जिलाध्यक्ष अजय बंजारे ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को लेकर हुए हालिया घटनाक्रम पर विपक्ष की भूमिका पर कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और इंडिया गठबंधन द्वारा इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध करना महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी संकीर्ण और नकारात्मक मानसिकता को उजागर करता है, जिसकी शिवसेना कड़ी निंदा करती है। अजय ने कहा कि शिवसेना छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के आव्हान पर शिवसेना पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश में आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से जुड़े ऐसे कानूनों का समर्थन हर दल को करना चाहिए तथा इस मुद्दे पर राजनीति करना उचित नहीं है। उन्होंने विपक्ष से राजनीतिक स्वार्थ छोड़कर मील का पत्थर साबित होने वाले कानून का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश की नारी शक्ति विपक्ष के इस रवैये को देख रही है और आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी।

सम्मेलन : भसेरा साहू समाज परिक्षेत्र का वार्षिक सम्मेलन

भक्त माता कर्मा के आदर्श एवं सिद्धांतों पर चलकर समाज को मजबूत करें : प्रवीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

ग्राम सिर्रीकला मे भसेरा साहू समाज परिक्षेत्र के द्वारा भक्त माता कर्मा की जयंती के साथ साथ वार्शिक सम्मेलन बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जिला साहू संघ के अध्यक्ष प्रवीण साहू ने माता के कर्मा के आदर्श एवं सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा समाज को देते हुए समाज की उन्नति एवं विकास को मजबूत करने पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रवीण साहू ने कहा कि साहू समाज एक मेहनती एवं संघर्शशील समाज है।

सामाजिक कुरूतीयो को त्याग कर सामाजिक नीतियों का पालन करने वाली समाज है। समाज के लोग आज हर क्षेत्र मे आगे बढ़ रहे है। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र हो या फिर आर्थिक विकास का क्षेत्र हो या फिर राजनीति का।समाज को यह बात भी ध्यान रखना होगा कि हम अपने संस्कार न भूले।संस्कार की बाते घर से ही प्रारंभ होती है और समाज के बीच दिखाई देती है।भक्त माता कर्मा ने सभी समाजो के हित कार्य किये है।इसी प्रकार हमे अन्य समाजो से मिलकर उन्हे मान सम्मान दे एवं प्राप्त करे।समाज मे सभी सुरीति एवं सुनीती को आत्मसात करे एवं कुरीतीयों का त्याग करे। सामाजिक कार्यो मे बढ़चढ़ कर भाग लेवे एवं साहू समाज की एकता को मजबूत करे।आज हमारा समाज सभी क्षेत्रें मे आगे बढ़ रहा है तो उसके पीछे शिक्षा का ही महत्वपूर्ण योगदान है।घर के बच्चो को पढ़ा लिखाकर आगे बढ़ावे जिससे वह शिक्षित समाज का संदेश देगा वहीं पर उनका नैतिक विकास भी परिलक्षित होगा और समाज को बल मिलेगा।कार्यक्रम को भसेरा परिक्षेत्र के अध्यक्ष रमेश साहू ने संबोधित कर समाज मे एकता एवं संगठन को मजबूत करने पर बल दिया एवं सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया।अन्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर भक्त माता कर्मा के आदर्शो के अनुरूप चलने की प्रेरणा दी।अतिथियो ने कार्यक्रम के पहले भक्त माता कर्मा की पूजा आरती की।सभी अतिथियों का मंच मे पुष्पहार से स्वागत किया गया।कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विधायक रोहित साहू के अन्यत्र होने पर वे कार्यक्रम मे नहीं पहुंचे।

कार्यक्रम में ये रहे शामिल

इस दौरान लाला साहू अध्यक्ष–साहू समाज राजिम भक्तिन माता मंदिर, नारायण साहू संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष–जिला साहू संघ गरियाबंद, खोमन साहू, अध्यक्ष तहसील साहू संघ फिंगेश्वर, जगदीश साहू,अध्यक्ष तहसील साहू संघ राजिम,रामूराम साहू संरक्षक–जिला साहू संघ गरियाबंद,कुंजन साहू संरक्षक–जिला साहू संघ, गरियाबंद,सोमप्रकाश साहू संरक्षक–जिला साह संघ,गरियाबंद,डॉ.रामकुमार साहू संरक्षक–साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति,डॉ. महेन्द्र साहू, पूर्व अध्यक्ष–साहू समाज राजिम भक्तिल माता समिति, देवराज साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, गरियाबंद, ईश्वरलाल साहू पूर्व उपाध्यक्ष–जिला साहू संघ,गरियाबंद, पुष्पा जगन्नाथ साहू महिला उपाध्यक्ष-जिला साहू संघ,गरियाबंद, ठाकुरराम साहू संगठन सचिव-जिला साहू संघ, गरियाबंद, ईश्वरी साहू कार्यकारी अध्यक्ष तहसील साहू संघ फिंगेश्वर,रामजी साहू संरक्षक तहसील साहू संघ फिंगेश्वर, पवन साहू उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ, फिंगेश्वर, नारायण साहू सलाहकार तहसील साह संघ फिंगेश्वर, कुंजबिहारी साहू सलाहकार तहसील साहू संघ फिंगेश्वर, नूतन साहू उपाध्यक्ष साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति, शेखर साहू संगठन सचिव तहसील साहू संघ, फिंगेश्वर, डॉ. दिलीप साहू सभापति-जनपद पंचायत फिंगेश्वर शामिल थे।

भगवान श्रीपरशुराम का प्राकट्य दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

ब्राह्मण समाज छुरा द्वारा भगवान परशुराम प्राकट्य दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस पावन अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं, महिलाओं एवं बालकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में विधिवत पूजन-अर्चन एवं हवन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज से समूचा परिसर पवित्र एवं दिव्य अनुभूति से भर उठा। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन, उनके अद्वितीय पराक्रम, धर्म रक्षा के संकल्प, त्याग, तपस्या एवं ज्ञान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। ब्राह्मण समाज छुरा अध्यक्ष नरेन्द तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम जी केवल शक्ति के प्रतीक ही नहीं, बल्कि वे धर्म, न्याय और सत्य के मार्गदर्शक भी हैं। उनका जीवन समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपने कर्तव्यों का पालन करने तथा सदैव सत्य के पक्ष में रहने की प्रेरणा देता है। महामंत्री वीरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों एवं एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपरा एवं सनातन मूल्यों को आत्मसात करें तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम मे कामता तिवारी, कन्हैया तिवारी,विनोद तिवारी,तारा महराज शर्मा,धनंजय शुक्ला, मेष नंदन पाण्डेय,अरुण चौबे,भोला पाण्डेय, रामकरण त्रिवेदी,अजय शुक्ला अजय दीक्षित,दुर्गा दीक्षित,हरीश शर्मा, संतोष मेहता, ओमप्रकाश द्विवेदी, सज्जन शर्मा, अक्षत तिवारी,शैलेन्द्र दीक्षित एवं बड़ी संख्या मे ब्राह्मण समाज के सदस्य गण मौजूद रहें।

महतारी वंदन योजना में दिव्यांग अविवाहित महिलाओं को शामिल करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

क्षेत्र के दिव्यांग अविवाहित महिलाओं ने छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना विष्णुदेव साय सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से सबसे बड़ी योजना है, इस योजना को लेकर अब अंचल की अविवाहित दिव्यांग महिलाओं ने मांग की है कि उन्होंने साय सरकार से वंदन योजना के तहत लाभ देने की मांग की है। दिव्यांग अविवाहित महिलाओं ने इस योजना के तहत हर महीने आर्थिक सहायता की मांग की है। अविवाहित दिव्यांग महिलाएं रसेला से गंगा मरकाम, लक्ष्मी कुंजाम, रंजीता पटेल ,चद्रीका साहू कनसिधी निवासी रुक्मणी सेन ने कहा कि सरकार के द्वारा महतारी वंदन योजना शुरू की गई है, जिसका लाभ विवाहित महिलाओं को मिलता है, लेकिन हमें नहीं मिल रहा है, क्योंकि हम अविवाहित हैं, हमारे अविवाहित होने की वजह दिव्यांगता है। दिव्यागता की वजह से हमारी शादी नहीं हुई है। सरकार को इस योजना का लाभ हम दिव्यांग महिलाओं को भी देना चाहिए। महतारी वंदन योजना शादी शुदा महिलाओं के लिए है, ऐसे में हम सब दिव्यांग महिलाएं सरकार से मांग करतीं हैं कि हमें महतारी वंदन योजना का लाभ दे। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ की विवाहिता महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जा रही, जो आज यहा योजना लागू हुए पांच माह होने को है। यह योजना भाजपा की साय सरकार ने शुरू की है, हर महीने प्रदेश की लाखों महिलाओं को इस योजना के तहत लाभ मिल रहा है। यही वजह है कि हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि आने को लेकर महिलाएं उत्साहित हैं। और हम लोगों इस योजना से वंचित हो रहे हैं। शासन प्रशासन से सभी दिव्यांग महिलाओं ने इस योजना से जल्द से जल्द जोड़ने की मांग की गई है।

श्रद्धा के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

नगर में भगवान परशुराम जयंती बड़े ही श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह से ही भगवान परशुराम के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना,हवन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया और समाज में धर्म एवं न्याय की स्थापना का संदेश दिया। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पुजारियों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान परशुराम की महिमा का गुणगान किया गया।भगवान परशुराम की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने जयकारे लगाते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नगर के स्टेडियम समीप परशुराम मंदिर केशोडार मार्ग में स्थित ब्राह्मण समाज भवन में प्रसादी वितरण कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।वही संध्या सात बजे नगर के तिरंगा चौक में सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा भगवान परशुराम का महाआरती कर भगवान बजरंग बली का चालीसा पाठ किए और तिरंगा चौक में खीर पूड़ी हलवा के साथ लोगो को फल वितरण किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष के प्रतीक हैं। उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं। समाज के लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की गई। आयोजन को सफल बनाने में समाज के प्रमुख लोगों और युवाओं की अहम भूमिका रही।इस दौरान समाज के वरिष्ठ कृष्णकुमार शर्मा को जिला अध्यक्ष अश्वनी तिवारी के अनुशंसा में राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिशा के द्वारा बनाए गए जिला महासचिव का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

मणिकंचन केंद्र में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

रविवार को नगर पालिका के ग्राम खरोरा स्थित मणिकंचन केंद्र में आग लग गई। बताया जा रहा है कि केंद्र में रखी गई कलर झिल्लियों में भीषण गर्मी के चलते आग लग गई। जिसे समय रहते काबू पा लिया गया। बता दें कि फायर ब्रिगेड को पहुंचने में तकरीबन 15-20 मिनट का समय लगते तक पालिका कर्मियों ने स्थानीय बोर की मदद से आग फैलने से रोका फिर फायर ब्रिगेड के पहुंचने पर पूरी तरह आग पर काबू पा लिया गया। पालिका द्वारा आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

पारा 43 पार, सूनी हो रही सड़कें, तेज धूप में निकलने से बच रहे लोग

महासमुंद। तेज गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। जिला मुख्यालय तथा आसपास का क्षेत्र रविवार को भी भीषण गर्मी से तपता रहा। तापमान करीब 43 डिग्री सेल्सियस तक है। दिन में 9 बजे के बाद से शाम तक गर्म हवा चल रही है, सड़कें सूनी हो रही है। लू के थपेड़ों ने जनजीवन को प्रभावित किया है। सोमवार को तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। शहर ही नहीं गांव के लोग भी सुबह 9 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक गर्म हवाओं का सामना कर रहे हैं। खासकर 12 बजे से मध्यान्ह 4 बजे तक शहर और गांवों में भी अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात दिख रहे हैं। लोग जरूरी काम होने पर ही पूरा शरीर ढंककर घर से निकल रहे हैं। शाम 5 बजे के बाद से ही सड़क और बाजारों में रौनक दिख रही है। लोग भी सुबह ही अपने कामों को निपटा कर घर या दुकान पहुंच रहे हैं। और शाम को तापमान कम होने के बाद ही बाहर निकल रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार को पारा 43 पार कर गया था। शनिवार-रविवार को भी इसमें किसी तरह की राहत नहीं मिली। और माह के सर्वोच्च शिखर पर रहा। आने वाले दिनों में भी राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक आने वाले सप्ताह भर तापमान में एक-दो दिन मामूली गिरावट हो सकती है। जबकि, बाकी दिन 42 से 44 तक पारा बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिन तक न्यूनतम तापमान 28 और अधिकतम 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूर्वानुमान लगाया गया है।

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर सर्व ब्राह्मण समाज ने निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर रविवार को सर्व ब्राह्मण समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली। देर शाम करीब 7 बजे स्थानीय विप्र भवन से निकली। इस शोभायात्रा में समाजजनों सहित विप्र युवाओं में जबरदस्त उत्साह रहा। शोभायात्रा नगर के प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए सिटी स्पोर्ट्स पहुंची। जहां विप्रजनों ने सामूहिक स्नेह भोज किया। अक्षय तृतीया के दिन भगवान श्री विष्णु के छठवें अवतार परशुराम प्रकट हुए थे। शोभायात्रा से पूर्व विप्र भवन में भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। शोभायात्रा का विभिन्न समाजजनों ने जगह-जगह स्वागत किया। शोभायात्रा में प्रथम पंक्ति पर धुमाल ग्रुप, महिला मंडल की टीम, बाद समाज के प्रमुख जन और इसके बाद कर्मकांड पुरोहित वाहन पर यज्ञ करते चल रहे थे। शंखनाद और स्वस्तिवाचन से शहर का वातावरण धर्ममय हो रहा था।

पेज 9 के शेष...

सरगी नदी का...

रवैया बड़े सवाल खड़े कर रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि एक समय सरगी नदी में चारों ओर रेत का भराव होता था और पानी उसके ऊपर से बहता था। लेकिन अब अनियंत्रित खनन के चलते नदी का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। नदी अब एक नाले के आकार में सिमट गई है और मैदान की तरह नजर आने लगी है। पर्यावरण पर इसका गहरा असर पड़ रहा है और जगह-जगह घास-फूस उगने से नदी का प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट हो चुका है। ग्रामीण अब नदी में स्नान के लिए भी साफ पानी की जगह तरस रहे हैं।

नशा से दूर...

रहना, जरूरत पूरा करने के लिए गलत रस्ते पर नहीं चलना, परेशानी में पड़े तो परिवार को समाधान का माध्यम बनाने की सलाह दिया। ग्रुप स्टडी, डिस्कशन, डाइट, गाइड और स्वास्थ्य कैरियर की सफलता के लिए जरूरी है। युवाओं से सार्थक संवाद कर एसपी चंद्राकर ने कहा कि हर काम में सकारात्मक सोच के साथ मन की संतुष्टि लाए तो सफल पीछे पीछे भाग आएगी। आयोजन में मंचस्थ नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश तिवारी, उपाध्यक्ष सुशील यादव, आप नेता मनोज मिश्रा ने पुलिस की इस पहल की सराहना किया। पत्रकार जयविलास शर्मा ने मंच का संचालन किया। थाना प्रभारी फैजुल हुदा शाह ने आयोजन को सफल बनाने उपस्थिति कॉलेज प्रोफेसर, गणमान्य नागरिक एवं मौजूद युवाओं का आभार व्यक्त किया। प्रभारी एसपी ने संवाद के दरम्यान ही मंच से ऐलान किया कि अगर कोई रायपुर में पीएससी कोचिंग ज्वाइन करना चाहे तो उन्हें मै निःशुल्क कोचिंग दिलाने की जवाबदारी लूंगा। युवाओं से भरे मंच में पीएससी करने के सवाल पर कोई हाथ नहीं खड़ा किया। तभी उन्हें मोटिव कर बढ़ावा देने प्रभारी एसपी ने यह ऐलान किया है।छात्रें ने भी जल्द मन बना कर संपर्क करने की बात कही। पुलिस भर्ती में जाने के इच्छुक छात्र को पुलिस परीक्षा की तैयारी, फिजिकल तैयारी कराने के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया।

खबर संक्षेप

भाजपा महिलाओं के साथ कर रही राजनीतिक छल : सुखचंद

गरियाबंद। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर देशभर में राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी कड़ी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने केंद्र की मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण विधेयक को "अटकाना, लटकाना और भटकाना" है। बेसरा ने कहा कि भाजपा महिलाओं को अधिकार देने के बजाय इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में विधेयक लाने के बावजूद इसे तत्काल लागू करने की बजाय जनगणना और परिसीमन जैसी शर्तों से जोड़कर अनिश्चितकाल तक टाल दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार की नीयत साफ है, तो विधेयक को तुरंत प्रभाव से लागू करने में क्या दिक्कत है। साल 2029 तक इंतजार करवाना महिलाओं को भ्रमित करने की रणनीति है। बेसरा ने कहा कि यह केवल समय बिताने और मुद्दे को ठंडे बस्ते में डालने का तरीका है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ऐसा प्रारूप तैयार किया जो संवैधानिक और तकनीकी रूप से मजबूत नहीं था, जिसके कारण यह प्रभावी रूप से आगे नहीं बढ़ पाया।

समस्या : दुर्घटना की आशंका, नौनिहाल परेशान

गरहाडीही और अड़गड़ी का आंगनबाड़ी भवन जर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र भवन से दुर्घटना की अशंका राजापड़ाव क्षेत्र के ग्राम पंचायत गरहाडीही के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित दे रहे हैं, विभाग को जानकारी होने के बावजूद भी इस ओर कोई बड़ा कदम अब तक नहीं उठा पाया है। जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का आवागमन होता रहता है परंतु गरहाडीह आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता लिखित आवेदन देकर आंगनबाड़ी केंद्र भवन की मरम्मत एवं जर्जर भवन को यथाशीघ्र तोड़ने की मांग किया गया। परंतु अब तक जर्जर भवनों को नहीं तोड़ा गया है जिसके कारण मुख्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों अभिभावकों में दहशत का माहौल फैला हुआ है। जर्जर अवस्था में होने पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस बारे में अधिकारियों, ग्राम पंचायत प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी सुध नहीं ली। विद्यालय भवन निर्माण एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कब हुआ है, इसकी सटीक जानकारी कोई दे नहीं पा रही है। बताया जा रहा है कि इसके निर्माण को 20 साल हो गए। कुछ साल बाद ही भवन में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई। लगभग 15-20 साल पहले बने आंगनबाड़ी केंद्र भवन अब काफी जर्जर हो चुका है। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को बैठने के लिए जगह नहीं मिल पाती। आम दिनों में छत से चूना गिरता रहता है। इस कारण वर्तमान में कड़ाके की सर्दी में बच्चों को बरामदे में बिठाने की मजबूरी आ गई है। इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत प्रशासन, महिला बाल विकास अधिकारी सहित कई अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। कोई भी भवन के दुरुस्तीकरण को लेकर कदम नहीं उठा रहे हैं। मैनपुर विकासखंड अधिकारी एवं महिला बाल विकास अधिकारी को आवेदन देकर जब आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता ने अवगत कराया तब जाकर ग्राम पंचायत गरहाडीही भवन में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है।

- बारिश के दिनों में छत से टपकता है पानी, बच्चों को बैठने के लिए जगह तक नहीं मिलती

अड़गड़ी में स्थिति और भी भयावह

वहीं ग्राम पंचायत अड़गड़ी के आंगनबाड़ी केंद्र की भी स्थिति भयावह है की स्थिति पूरी तरह से डरावनी है। जिसके कारण ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा प्राथमिक शाला भवन में आंगनबाड़ी संचालित करने की निर्देशित किया गया है जहां संचालित हो रहा है। ग्रामीणों द्वारा विभाग के खिलाफ आंदोलन करने में बाध्य हो सकते हैं। विभाग की तरफ से कोई पहल नहीं किया गया। क्षेत्र कई आंगनबाड़ी केंद्र भवन जर्जर अवस्था में विभाग अगर इस और जल्द पहल नहीं होती है, तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना न हो जाए।

जोगीडीपा में पुतला-पुतली का विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जोगीडीपा के गौरा चौक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पुतला -पुतली अक्ती विवाह का आयोजन बड़े धूमधाम और पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि गांव की आदिवासी सांस्कृतिक की झलकियां सहित विरासत और सामाजिक एकता का भी जीवंत उदाहरण बना।

कार्यक्रम में गांव के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अक्ती विवाह की रस्मों को निभाया। कु. डिम्पल ध्रुव, छाया ध्रुव, आरती यादव, दुर्गा साहू, रूपा ध्रुव और शारदा ध्रुव सहित कई बच्चों ने इस आयोजन में अपनी सहभागिता से कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। बच्चों की मासूमियत और उत्साह ने पूरे माहौल को आनंदमय कर दिया। गौरा चौक जोगीडीपा में आयोजित इस सांस्कृतिक आयोजन में ग्रामीणों की भी अच्छी-खासी उपस्थिति रही। महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए, वहीं बुजुर्गों ने बच्चों को इस परंपरा के महत्व से अवगत कराया। आयोजन स्थल को फूलों और रंगोली से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय दिखाई दे रहा था। अक्षय तृतीया को शुभ कार्यों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है, और अक्ती विवाह जैसी परंपराएं इस दिन की महत्ता को और भी बढ़ा देती हैं। जोगीडीपा में इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।समग्र रूप से, जोगीडीपा का यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान रहा, बल्कि सामाजिक समरसता, परंपरा और सांस्कृतिक निरंतरता का भी प्रतीक बनकर उभरा।

देवगांव में महिलाओं ने निकाली बारात

छुईहा बेलर। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर क्षेत्र में इस वर्ष भी परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ गुड्डा-गुड़िया (पुतला-पुतली) विवाह का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस अनोखे आयोजन ने पूरे अचंल की देवगांव में अलग अलग चार स्थानों में उत्सव के रंग में रंग दिया और समस्त सर्ववर्ग सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान एक घर में गुड्डे (पुतले) का विवाह आयोजित किया गया, जबकि दूसरे घर में गुड़िया (पुतली) का विवाह संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि महिलाएं एक घर से दूसरे घर तक बारात के रूप में गईं, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह की सभी रस्में निभाई गईं। इस दौरान गीत-संगीत और हंसी-ठिठोली खुशी का माहौल बना रहा। ग्रामवासियों के लिए भंडारा में खीर-पूड़ी का भी परोसा गया। जिसमें बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन में उत्साह और सहयोग की भावना साफ दिखाई दी।इस अवसर पर हूलसी साहू, परमेश्वरी, गीतांजली, पूनम, देरहीन, विद्या, राजदीप, तुलसी, खुशी, गंगा बाई, कमीन, ध्रुव , झरना,मनिता,निता,कोसिन, चेनिता, प्रमिन, निधि, शारदा, बबिता वंदना, रितु और आस ध्रुव सहित कई ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

बोर्ड परीक्षा में सफलता पर विधायक ने छात्र-छात्राओं को खिलाई मिठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव एकलव्य विद्यालय मैनपुर पहुंच बोर्ड परीक्षा में सफलता अर्जित करने वाले सफल विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा अपने कर कमलों से उन्हें मिठाई खिलाई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए किये गये मेहनत और रणनिती की प्रसंशा की और कहा कि आप लोगों के प्रयास एवं मार्गदर्शन से ही आदिवासी समाज के ये बच्चे एक दिन नई ऊंचाइयों को छू अपने और समाज का नाम रोशन करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिये प्रेरणास्त्रोत होंगे।इस अवसर पर क्षेत्र के समाज सेवक सीता राम सोनवानी, प्राचार्य नागेन्द्र सिंह, शिक्षक श्रीमती संध्या तिवारी, बंटी यादव, प्रवीण, रोहित, कुमारी गौतमी, प्रदीप, सत्यम अनुराग,उतम, शैवी, प्रियंका, अनुपम अर्पिता,अन्नया, एवं समस्त शाला में कार्यरत कर्मचारी शिक्षक उपस्थित रहे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

प्रस्तुति - उत्कर्ष शर्मा रिपोर्टर ब्यूरो कार्यालय राजिम, जिला गरियाबंद, मो.नं. 9752106022

खबर संक्षेप

परशुराम की जयंती पर महिलाओं ने की भगवान महादेव की पूजा

महासमुंद। ग्राम खरोरा में भगवान परशुराम की जयंती पर महिलाओं ने भगवान महादेव मंदिर पूजा अर्चना की। शस्त्र और शास्त्र के महाज्ञानी परशुराम की जयंती 19 अप्रैल 2026 को मनाया गया है। इस दिन अक्षय तृतीया भी है। भगवान विष्णु के छठें अवतार परशुराम की पूजा विशेष रूप से शक्ति, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए की जाता है।

अधिवक्ता परिषद का विशेष कार्यक्रम कल

महासमुंद। अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत की जिला इकाई महासमुंद द्वारा 21 अप्रैल को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्थानीय स्वाध्याय केंद्र सभागार में सायंकाल 6:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित होगा। अधिवक्ता परिषद महासमुंद द्वारा इस कार्यक्रम के लिए शहर के समस्त नागरिकों और प्रबुद्ध जनों को सादर आमंत्रित किया गया है। परिषद के पदाधिकारियों ने नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

इंडी गठबंधन का महिला विरोधी रूख इतिहास में होगा दर्जः तुषार

महासमुंद। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसामिति सदस्य अशवंत तुषार साहू ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। तुषार ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष का महिला सशक्तीकरण विरोधी चेहरा फिर से सामने आया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के बिल को गिरा देना, उसका उत्सव मनाना और उसे अपनी जीत बताकर सरकार पर हंसना सचमुच निंदनीय और कल्पना से परे है।

कार्यक्रम : ब्राम्हण समाज ने धूमधाम से मनाया भगवान परशुराम जी का प्राकट्य उत्सव

मतभेद भुलाकर समाज हित में हों एकजुट : संतोष उपाध्याय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नवापारा ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान विष्णु के छटवें अवतार भगवान परशुराम जी का प्राराकट्य उत्सव रायपुर रोड स्थित विप्र भवन में रविवार को मनाया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं मातृशक्तियां शामिल हुई। सुबह 9 बजे ंडित दिनेश तिवारी-संतोष मिश्रा के मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान के साथ भगवान परशुराम जी का पूजा-अर्चना किया गया। उपस्थित ब्राम्हण समाज के लोगो ने पूजा के दौरान पूरे क्षेत्रवासियों और जनमानस की सुख समृद्धि व खुशहाली के लिए भगवान परशुराम जी से मंगल कामना किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने कहा कि मोक्ष रथ बड़ी बात नहीं है। मोक्ष बड़ी बात है। कहा कि आपसी वैचारिक मतभेद दूर करे और एक रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने कहा कि कहीं भवन बनता है तो नींव के पत्थर ओझल हो जाते है। भवन खड़ा हो जाता है। श्री मिश्रा ने भगवान परशुराम के जीवन दर्शन से समाज, परिवार और प्रकृति को जोड़ने की सीख दी। कहा कि परशुराम केवल एक धार्मिक या पौराणिक पात्र नहीं हैं, बल्कि वे समाज, परिवार और प्रकृति के संतुलन के प्रतीक भी हैं। कहा कि आज के बदलते परिवेश में जब सामाजिक मूल्यों में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। उन्होंने बताया कि परशुराम का जीवन अनुशासन, न्याय और संतुलन का आदर्श प्रस्तुत करता है। वे अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति के प्रतीक हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राचार्य आर बी शर्मा, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, समाज के वरिष्ठ मधुसुदन शर्मा, सनत शर्मा, ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष प्रसन्न शर्मा, समाजसेवी कैलाश शुक्ला, पालिका के पूर्व सभापति रमेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार श्यामकिशोर शर्मा, राजिम ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सौरभ शर्मा, समाज के वरिष्ठ अजय तिवारी, आशीष दीवान, ज्ञानेश शर्मा, कैलाश तिवारी, शिव तिवारी, अंकित शर्मा, अनंत पुराणिक, लक्ष्मीनारायण मिश्रा, दानीशंकर शर्मा, सुनील तिवारी, मनहरण शर्मा, शिवकुमार पांडे, गुड्डु मिश्रा, जयंत तिवारी, दुर्गा प्रसाद शर्मा, संतोष शर्मा, पिल्लु शर्मा, सपन शर्मा, विवेक शर्मा, चुन्नु शर्मा, प्रफुल्ल दुबे, डॉ. एके शर्मा, श्याम शर्मा, राम शर्मा, कौस्तुभ शर्मा, क्षेत्रेश तिवारी, चन्द्रेश तिवारी ,शेखर मिश्रा, आलोक शर्मा, विवेक शर्मा पं. दिनेश तिवारी, संतोष तिवारी, संतोष मिश्रा, मुन्ना मिश्रा, युवराज पांडे, दिनेश शर्मा, राकेश शर्मा, दानीशंकर शर्मा, प्रदीप शुक्ला, शिवकुमार पांडे, कमल शर्मा, संजय शर्मा, ललित पांडे, महेश तिवारी, प्रदीप मिश्रा, अभिजीत मिश्रा, अनुराग मिश्रा, अभिनव मिश्रा, सुअंजना उपाध्याय, महिला ब्राम्हण समाज की संरक्षक कस्तुरी तिवारी, भुनेश्वरी शर्मा, कुमुदनी शर्मा, विद्या तिवारी, डॉ. मधुरानी शुक्ला, महिला ब्राम्हण समाज की अध्यक्ष रेखा तिवारी, कोषाध्यक्ष सुभाषिनी शर्मा, उपाध्यक्ष तनु मिश्रा, सचिव शोमा शर्मा, सहसचिव रेखा शुक्ला, नंदनी शर्मा, संगीता शर्मा, स्कृति शर्मा, कुशाली दीवान, सुषमा शर्मा, कौमुदी शर्मा, अनामिका तिवारी, योगिता दुबे, सुश्री छाया राही, रूचि शर्मा, किरण तिवारी, रश्मि तिवारी, वंदना शर्मा, रेणुका शर्मा, ममता शर्मा, तारिणी शर्मा, कुमुद पुराणिक, पुनम दीवान सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियां मौजूद थी।

संगठन में होती है बड़ी ताकत

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए ब्राम्हण समाज नवापारा के पूर्व अध्यक्ष हरिभूमि के ब्यूरोचीफ श्यामकिशोर शर्मा ने कहा कि संगठन में बड़ी ताकत होती है अतएव इस बात का ध्यान रखकर एकता बनाए रखे। यहां आज जो मोक्ष रथ और शव फ्रीजर का लोकार्पण हुआ है इसकी पूरी रूपरेखा ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष प्रसन्न शर्मा एवं नगर पालिका के पूर्व सभापति रमेश तिवारी ने बनाई। जिसके सहयोग में समाज के सभी लोगो का शानदार योगदान रहा। कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष प्रसन्न शर्मा एवं महिला समाज के अध्यक्ष रेखा तिवारी ने किया। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों का सम्मान ब्राम्हण समाज द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं श्रीफल देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मोक्ष रथ एवं शव फ्रीजर का लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रभात मिश्रा एवं समाज के लोगो द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुरू होने के पहले मोक्ष रथ को पूरे शहर में लोगो की जानकारी के लिए सायरन बजाते हुए घुमाया गया।

जनगणना में पिछड़ा वर्ग का कालम न होने से भारी आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

छत्तीसगढ़िया सर्व समाज महासंघ की बैठक गुरु घासीदास संस्कृति भवन न्यू राजेंद्र नगर रायपुर में संपन्न हुआ। इस बैठक में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे जनगणना में पिछड़ा वर्ग समाज के लिए कालम नहीं होने के कारण ओबीसी अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है जबकि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति समाज का कालम निहित है ,इसी तरह यूजीसी 2026 को लागू करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाई गई साथ ही पिछड़ा वर्ग को 60% आरक्षण दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया उपरोक्त विषय पर सारे पदाधिकारी ने गंभीरता से चर्चा की तथा सरकार के इस कार्य का घोर निंदा की तथा मांग किया गया इसको अति शीघ्र पूरा किया जाए नहीं तो संपूर्ण समाज मिलकर के समर्थन में आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रमुखता से यह बात आई 22.5 प्रतिशत एसटी को दिया गया इसी तरह 22 .5% एससी को भी दिया गया जबकि उनकी संख्या उतना ही है, इसी तरह जनरल कैटेगरी में 10% जनसंख्या है और उन्हें 10% की आरक्षण दिया गया है लेकिन पिछड़ा वर्ग का 60% जनसंख्या है और उन्हें 27 परसेंट आरक्षण दिया जा रहा है, जो कि हमारे साथ बहुत बड़ा अन्याय इसी तरह समझ में सामाजिक सद्भावना को खराब करने का प्रयास शासन द्वारा की जा रही है जिनकी जितनी संख्या भारी उतना उसकी हिस्सेदारी मिलना चाहिए, जो हमें नहीं मिल पा रहा है इन सभी मुद्दों को लेकर आगामी 9 मई 2026 दिन शनिवार को दोपहर 2:00 बजे पुनः बैठक होगी जिसमें उपरोक्त विषयों पर चर्चा कर आंदोलन की तैयारी के संबंध में रूपरेखा तैयार की जाएगी। आज के इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, प्रदेश संरक्षक लखनलाल कोसले, प्रदेश अध्यक्ष प्रगतिशील सतनामी समाज बीएस रोटे, कार्यकारी अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज, युवराज सिंहा प्रदेश अध्यक्ष कलार महासभा, धनीराम विश्वकर्मा प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज, विनोद नागवंशी प्रदेश उपाध्यक्ष, राजा निर्मलकर प्रदेश अध्यक्ष, रजक निर्मलकर समाज ,युवा प्रकोष्ठ बसंत सिन्हा जिला अध्यक्ष महासमुंद, धर्मदास साहू संरक्षक साहू समाज महासमुंद, जिला दिनेश निर्मल कर प्रदेश प्रवक्ता, राजेंद्र भतपहरी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, हरीश यादव पिथौरा महासमुंद, शंकर लाल सोनवानी प्रदेश संरक्षक, राम कुमार यादव छूरा, कृष्णा कोसले रायपुर कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

गुड्डे-गुड़ियों की शादी रचाकर बच्चों ने मनाया अक्षय तृतीया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

क्षेत्र के गांव- गांव मे बैंड बाजे व नगाड़े के साथ बॉक्स में बज रहे छत्तीसगढ़ी व फिल्मी गीत पर झूमते हुए नन्हें-मुन्हें बराती निकले। घरातियों ने भी उनका स्वागत किया। सारा इंतजाम बच्चों की ओर से किया गया था। अक्ती के मौके पर गांव के गली मोहल्लों में विवाह गीत बजते रहे। क्षेत्र के सहसपुर, भेंडरी, रवेली, तरीघाट, धुरसा, कसेरुडीह, मुरमुरा, देवरी, जेंजरा, मुड़तरई, कपसीडीह, टेका, सुरसाबांधा, तर्रा, कुरूसकेरा, पंडरीतरई, भैसातारा, बहरापाल और लोहरसी गांव में रविवार को अक्षय तृतिया (आक्ती तिहार) का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही ग्रामीण अंचलों में गुड्डे-गुड़िया की शादी रचाई गई। इस दौरान हर गली-मोहल्ले में मंडप सजे। विधिवत विवाह की परंपराएं निभाई गईं और गुड्डे-गुड़ियों की शादी की।

विवाह गीत बजते रहे और बच्चों से लेकर बड़ों तक ने उस पर जमकर डांस किया। शादी के बाद गुड़ियों की विदाई की भी रस्म निभाई गई। इस दौरान लोहरसी गांव के भवानी चौक पर ऊर्जावान मिलनसार नूतन साहू सेवा नियुक्त पंचायत इंस्पेक्टर फिंगेश्वर ने गुड्डे गुड़िया के टिकावन व विदाई समारोह मे शामिल हुए। नूतन साहू भी नगाड़ो की धुन मे झूम उठे और छोटे बच्चों की तरह बच्चों के साथ ठुमका लगाएं। नूतन साहू ने टिकावन के रूप मे राशि भेंट की और सीलिंग पंखा लगाने की घोषणा की। इस दौरान, मीणा बाई, दुर्गा साहू, सपना, बुधनतिन, हेमलता, ओमबाई, राधिका साहू, लोकेश्वरी साहू, दूरपती, प्रमिला, धर्मेन्द्र साहू, रोशन सेन, हेमंत साहू, कुंन्तु साहू, होरिलाल साहू, गौकारण साहू, नेतराम साहू, ओमन ध्रुव, हर्ष कौशिक, हीराधर पटेल, तुलसी पटेल, उदय साहू, जीतेश्वर पटेल शामिल थे।

इंडी गठबंधन ने करोड़ों माताओं व बहनों के सपनों की हत्या की : किशोर देवांगन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानि महिला आरक्षण बिल के संसद में पास नहीं होने पर युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन ने कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को कोसते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल लोकसभा, दिल्ली विधानसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% या एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने वाला एक ऐतिहासिक कानून है । यह कानून राजनीतिक निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। लेकिन मातृशक्तियों को राजनीतिक संबल प्रदान करने वाले इस महिला आरक्षण बिल को संसद में /"गिराकर/" कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने मातृशक्तियों के प्रति अपनी गिरी सोच/" का प्रदर्शन किया है। कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों में इस बात को लेकर खुशी है कि उन्होंने इस बिल को गिराकर पीएम नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह जी को हरा दिया है जबकि हकीकत में उन्होंने अपने इस अहं में देश की मातृशक्तियों को हरा दिया है। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे इंडी गठबंधन ने नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया। श्री देवांगन ने कहा कि लोकसभा में महिला आरक्षण बिल का गिरना सिर्फ एक राजनीतिक घटना नही हैं,यह उन करोड़ो महिलाओं के अधिकारों पर चोट हैं ,जो सालों से बराबरी की लड़ाई लड़ रही हैं। ये करोड़ों माताओं व बहनो की सपनों की हत्या हैं। बिल को गिराने के बाद मातृशक्तियों के आक्रोश से बचने कांग्रेस और विपक्षी कह रहे हैं कि वर्तमान बिल का समर्थन नहीं करेंगे, लेकिन सरकार 2023 वाला बिल लाए तो वे सभी उसका समर्थन करेंगे। जबकि महिलाओं को आरक्षण का अधिक लाभ वर्तमान बिल से होगा, जैसे 2023 के बिल में महिलाओं को लोकसभा की 543 सीटों में से 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से 165 आरक्षित सीटें मिलेंगी जबकि वर्तमान बिल में परिसीमन में बढ़ी कुल 816 सीटों में से लगभग 250 आरक्षित सीटें मिलेंगी। कांग्रेस और विपक्षी पार्टियां, मातृशक्तियों की इसी बहुतायत यानि ताकत बढ़ने से भयभीत हैं क्योंकि इन पार्टियों ने कभी भी मातृशक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य नहीं है।

भारत माला परियोजना, गुरुड़डीह क्षेत्र में मुरुम का अवैध उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भारत माला परियोजना में लगने वाले मुरुम के लिए जिले के गांव-गांव के भीतरी हिस्सों में प्रस्तावित क्षेत्र से अधिक क्षेत्र में अवैध उत्खनन का खेल चल रहा है। उक्त निर्माण कार्य में जुटी कंपनी द्वारा शासन-प्रशासन को राजस्व की क्षति पहुंचाए जाने का खुला खेल जारी है। मिली जानकारी के अनुसार भारतमाला परियोजना के तहत सड़क निर्माण कार्य के लिए गुडरूडीह (तुमगांव) के जंगलों से अंधाधुंध मुरूम उत्खनन किया जा रहा है। यहां मुरूम खनन के लिए कंपनी ने प्रस्ताव लिया था, लेकिन प्रस्तावित घनमीटर से लगभग 10 गुना अधिक क्षेत्रफल में मुरूम की अवैध खुदाई की गई। इसके अलावा गांव के ही अन्य स्थान पर उत्खनन किया जा रहा। जिसके वन विकास निगम का वनभूमि होने का दावा ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। पारागांव क्षेत्र में भारतमाला परियोजना के तहत सड़क निर्माण के लिए यहीं से मुरुम ले जाया गया है। अब उसके आगे अभनपुर क्षेत्र के गांवों की ओर चल रहे कार्य के लिए यहां से मुरूम ले जाया जा रहा है। जिससे वन क्षेत्र के पेड़ों की अवैध कटाई व मुरूम का अवैध उत्खनन बेरोकटेक जारी है। मामले में जिम्मेदार खनिज अफसर फोन तक नही उठाते।

करोड़ों की रायल्टी का नुकसान- अवैध उत्खनन से सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए की रायल्टी का नुकसान होने का अनुमान है। कंपनी द्वारा गुडरूडीह के जिस स्थान पर मुरूम की अवैध खुदाई की जा रही है, यदि उक्त स्थान का सीमांकन किया जाए तो करोड़ों रूपए रायल्टी चोरी का खुलासा हो सकता है। विभागीय मिलीभगत से कंपनी द्वारा अनुमति से 10 गुना अधिक क्षेत्रफल में अवैध रूप से उत्खनन किया जा चुका है।

जान का खतरा बनेंगे ये गढ्ढे- अवैध तरीके से और निर्धारितस्थान से अन्य स्थान पर निर्धारित मापदंड़ की बजाय काफी गहराई तक खुदाई की गई है। आने वाले दिनों में या बारिश के दिनों में कोई मनुष्य या जानवर गिर जाए तो जीवित बचना मुश्किल है। वहीं वन क्षेत्र होने के कारण जंगली पशुओं के लिए भी यह खुदाई उनके लिए जीवन को खतरा उत्पन्न करने वाला बन चुका है।

जनगणना व परिसीमन के नाम पर महिलाओं को न दें धोखा, तत्काल लागू हो 33% आरक्षण : साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

महिला आरक्षण को लेकर राष्ट्रीय बहस के बीच कांग्रेस नेत्री पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत फिंगेश्वर पुष्पा, जगन्नाथ साहू ने शनिवार को चरौदा में सरकार पर टालमटोल की राजनीति का आरोप लगाते हुए मांग की है कि महिलाओं को 33% राजनीतिक आरक्षण तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने भाजपा सरकार नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनगणना और परिसीमन से आरक्षण को जोड़ना महिलाओं के अधिकारों को स्थगित करने की रणनीति है। श्रीमती साहू ने कांग्रेस के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को रेखांकित करते हुए कहा कि देश को पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार को कांग्रेस के कार्यकाल में ही मिले। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर आरोप लगाया कि इन संगठनों में महिलाओं की वास्तविक भागीदारी सीमित और प्रतीकात्मक रही है। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए पुष्पा ने मणिपुर, हाथरस और अंकिता भंडारी मामलों में प्रशासनिक निष्क्रियता का उल्लेख किया। उन्होंने चेतावनी दी कि परिसीमन प्रक्रिया से क्षेत्रीय असंतुलन पैदा हो सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को खतरा होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस महिला आरक्षण को आगामी चुनावों में प्रमुख मुद्दा बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।